लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद,हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

कार्तिक कृष्ण पक्ष तृतीया 09:30 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2080

# अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 4, अंक 347, पृष्ठ 16, मूल्यः 6 रुपये

बरेली, मंगलवार, 31 अक्टूबर 2023

PAGE NO : 02 TOP

● एसआरएमएस रिद्धिमा में इंद्रधनुष थिएटर फेस्ट शाम 4 बजे।

PAGE NO : 09 MIDDLE

## नफरत की जंग में हुई मुहब्बत की जीत

**बरेली, अमृत विचार :** श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में चल रहे तीसरे थिएटर फेस्टिवल में सोमवार को देहरादून के एकलव्य थियेटर ने यहूदी की लड़की नाटक का मंचन किया। मुख्य अतिथि खानकाहे नियाजिया के प्रबंधक शब्बू मियां, श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, सुभाष मेहरा और डॉ .अनुज कुमार ने कार्यक्रम की शुरुआत की। नाटक की कथावस्तु एक यहूदी लड़की राहिल की है, जो मारकस से प्रेम करती है, मगर रोमन शहजादा होने के नाते मारकस उसे धोखा दे रहा है। मारकस राहिल को छोड़कर रोमन शहजादी डैसिया से शादी करने को तैयार हो जाता है। राहिल शादी को रुकवाती है और बादशाह से इंसाफ मांगती है। बादशाह शहजादे को कठघरे में खड़ा कर इंसाफ को अहमियत देता है। रोमन शहजादी डैसिया राहिल के पास अपने प्यार मारकस की जान की भीख मांगने जाती है। मजहबी अदालत में राहिल अपना बयान वापस ले लेती है। बादशाह राहिल के बाप अजरा और राहिल को रोमन शहजादे पर झूठा इल्जाम लगाने के जुर्म में जिंदा आग में जलाने की सजा सुना कर मुकदमा खारिज करते हैं। ब्रुटस जो कि रोमन कौम का मजहबी पेशवा है, वो राहिल और अजरा को अपना मजहब छोड़ कर रोमन बनने पर जान बख्श देने का प्रलोभन देता है। अजरा, ब्रुटस की बात को नकार कर उसके कर्मों की याद दिलाता है। उसे बताता है कि 20 साल पहले तेरी बीवी और बच्ची जो आग में जलकर मरे थे, उसमें बच्ची बच गई थी। ये राहिल ही वह बच्ची है। जिसे मैंने अपनी औलाद बनाकर पाला। ब्रुटस ये बात सुनकर शर्मिंदा होता है और अपने गुनाहों के लिए माफी मांगता है। अंत में खुद शहजादी डैसिया राहिल की शादी मारकस से करवा देती है। नाटक में जागृति कोठारी ने ( राहिल ), सुमित गौड़ ने ( ब्रुटस ), हेमलता पांडे ने ( डैशिया ), जय सिंह रावत ने ( मारकस ) की भूमिका निभाई ।आशा मूर्ति, उषा गुप्ता, डॉ . रजनी अग्रवाल, डॉ . आरती गुप्ता, डॉ .रीता शर्मा, दर्शना सेठी, अनंत वीर सिंह मौजूद रहे।